



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 363]
No. 363]

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 4, 1981/श्रावण 13, 1903
NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 4, 1981/SRAVANA 13, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 4 अगस्त, 1981

क्र.आ. 622(अ)/18 ज ख/आई.डी.आर.ए./81.—भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का आ. 958 (अ)/18 ज ख/आई.डी.आर.ए. 80, तारीख 10 विमम्बर, 1980 (जिसे इसमें आगे उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा, केन्द्रीय सरकार ने उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम 1951 (1951 का 65) की धारा 18 - ख की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, घोषण की थी कि उक्त आदेश के जारी होने की तारीख से ठीक पूर्व प्रवृत्त सभी संविदाओं, सम्पत्ति के हस्तान्तरण-पत्रों, करारों, समझौतों, पंचादों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों का (उनसे भिन्न जो 4 फरवरी, 1978 के पश्चात् किए गए थे, हुए थे या प्रवृत्त हुए थे) जिनका आन्ध्र प्रदेश राज्य के श्री काकुलम जिले के बोन्विली में चीनी के विनिर्माण में लग मैसर्स श्री राम शर्मा एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड एकक या ऐसे एकक का स्वामित्व रखने वाली कंपनी एक पक्ष कार है या कंपनी को लागू हो, प्रवृत्त 3 अगस्त, 1981 जिसके अन्तर्गत यह तारीख भी सम्मिलित है, तक की अवधि के लिए

निलम्बित रहेगा और उक्त तारीख से पूर्व तदुपनि प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाली सभी अधिकार विशेषाधिकार बाधताएं और दायित्व उक्त अवधि तक निलम्बित रहेंगे ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की अस्तित्वावधि (उनसे भिन्न बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रतिभूत दायित्वों से संबंधित है) 3 अगस्त, 1982 जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है और बढ़ा दी जानी चाहिए ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 ज ख की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त आदेश (उनसे भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रतिभूत दायित्वों से संबंधित है) की अस्तित्वावधि 3 अगस्त, 1982 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और बढ़ाती है ।

[फा.सं. 4(4)/78-सी.यू.एस.]

चन्द्र किशोर मोदी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 4th August, 1981

S.O. 622(E)/18FB/IDRA/81.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry Department of Industrial Development) No. S.O. 958(E)/18FB]

IDRA/80 dated the 10th December, 1980 (hereinafter referred to as the said order, the Central Government in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the said Order (other than those which have been entered into arrived at or come into force after the 4th February, 1978) to which the unit of M/s. Sri Rama Sugars and Industries Limited manufacturing sugar at Bobbili in District Srikakulam in the State of Andhra Pradesh or the company owning this unit is a party or which may be applicable to this unit or company shall remain suspended for a period upto and inclusive of the 3rd day of August, 1981 and all the rights and privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period;

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said Order (except those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) should be extended for a further period upto and inclusive of the 3rd day of August, 1982;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said order (except those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) upto and inclusive of 3rd day of August, 1982.

[F. No. 4(4)/78-CUS]

C. K. MODI, It. Secy.